बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-447
06/12/2019

जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत गोपालगंज में मुख्यमंत्री का जागरुकता सम्मेलन

❖ गोपालगंज और आगे बढ़ता रहे इसके लिए हम कोशिश करते रहेंगे :– मुख्यमंत्री

पटना, 06 दिसम्बर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज गोपालगंज जिले के बरौली प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवापुर में जल–जीवन–हरियाली जागरुकता सम्मेलन में 291 करोड़ रुपये की लागत से कई योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास एवं उद्घाटन किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के इस जागरुकता सम्मेलन में आपकी उपस्थिति के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ। सभी साथियों, अधिकारियों ने जल–जीवन–हरियाली अभियान से संबंधित महत्वपूर्ण बातें अपने वक्तव्य में कही हैं, इस पर गौर करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि जब से आपने सेवा करने का मौका दिया है, हम न्याय के साथ विकास के काम लगे हैं। 2005 में हम न्याय यात्रा पर निकले थे। न्याय के साथ विकास का संकल्प लेकर हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। हर इलाके और हर तबके के विकास के लिए काम किए जा रहे हैं। हाशिए पर खड़े लोगों को मुख्य धारा में लाने के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। एस0सी0, एस0टी0, अति पिछड़ों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों के विकास के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सात निश्चय के अंतर्गत प्रत्येक गांवों को और टोलों को सड़कों से जोड़ा जा रहा है। सात निश्चय के अंतर्गत हर घर नल का जल पहुंचाने का काम तेजी से किया जा रहा है। अगले वर्ष तक यह कार्य पूर्ण हो जाएगा। हर घर बिजली पहुंचा दी गई है। हर घर शौचालय निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पेयजल और बिजली की उपयोगिता समझते हुए इसके दुरुपयोग को रोकना होगा। उन्होंने कहा कि अगर खुले में शौच से मुक्ति मिल जाए और लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो जाए तो होने वाली 90 प्रतिशत बीमारियों से छुटकारा मिल जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य किए जा रहे हैं। पहले बच्चियां 5वीं क्लास तक ही पढ़ाई करने जा पाती थीं, उसके बाद गरीबी के कारण आगे की पढ़ाई नहीं कर पाती थीं। बच्चियों के लिए पोशाक योजना चलायी गई। हाई स्कूल के बच्चे एवं बच्चियों के लिए साइकिल योजना चलायी गई। अब लड़कियों की संख्या स्कूलों में काफी बढ़ी हैं। अब हाई स्कूल में पढ़ने वाले लड़के और लड़कियों की संख्या लगभग बराबर हो गई है। उन्होंने कहा कि जब सरकार में आए थे तो प्रजनन दर 4.2 था और अब वर्तमान में 3.2 है। सभी जानते हैं कि बिहार की जनसंख्या का घनत्व राष्ट्रीय औसत से तीन गुणा अधिक है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए हमलोगों ने कई उपाय सोचे। एक सर्वे से पता चला कि जब पति–पत्नी में पत्नी मैट्रिक पास है तो देश का प्रजनन दर 2 है और बिहार का भी 2 है और जब पति–पत्नी में पत्नी इंटर पास है तो देश का प्रजनन दर 1.7 और बिहार का 1.6 है। इन आंकड़ों की जानकारी के बाद हमलोगों ने निष्कर्ष निकाला कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए

लड़कियों को शिक्षित करना एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। हमलोगों ने हर पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालय खोलने का निर्णय लिया, जिसमें 6 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायतों में स्कूलों का निर्माण किया जा चुका है और शेष में काम चल रहा है। अगले वर्ष से सभी ग्राम पंचायतों में 9वीं कक्षा की पढाई शुरु हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बिहार का बजट 25 हजार करोड़ रूपये से भी कम का था। अब राज्य का बजट आकार 2 लाख करोड़ रूपये से भी ज्यादा हो गया है। जो काम शुरु किया है उसे तो जारी रखेंगे ही और नए–नए कार्य भी शुरु किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा का दर 13.5 प्रतिशत है, जबकि देश का जी0ई0आर0 24 प्रतिशत है। लड़के–लड़कियां इंटर के बाद आगे की पढाई कर सकें इसके लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना चलायी गई। उन्होंने कहा कि समाज सुधार के क्षेत्र में काम किए जा रहे हैं। महिलाओं की मॉग पर शराबबंदी को लागू किया गया, बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ भी अभियान चलाये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है। पर्यावरण संकट की स्थिति बन रही है और प्रदूषण भी बढ़ रहा है। मॉनसून का समय पहले से अनियमित हो गया है। पहले औसत वर्षापात 1200 से 1500 मि0मी0 था। पिछले 30 वर्षों में यह 1027 मि0मी0 हो गया। पिछले 13 वर्षों में यह घटकर 901 मि0मी0 रह गया है। राज्य में कभी अधिक तो कभी कम वर्षापात की स्थिति देखने को मिलती है। कभी बाढ़ तो कभी सुखाड़ की स्थिति रहती है। पिछले वर्ष 534 प्रखण्डों में से 280 प्रखंड सूखाग्रस्त घोषित किए गए। इसी वर्ष जुलाई माह में काफी वर्षा हुई। फिर अगले माह सुखाड़ की स्थिति बनी और फिर सितंबर माह के अंतिम सप्ताह में भारी वर्षापात होने से कई क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति बनी। राज्य में भूजल स्तर घटता जा रहा है और इसी तरह भूजल स्तर घटता गया तो पेयजल का भी संकट होने लगेगा। उन्होंने कहा कि इन सब चीजों को पूरी गंभीरता के साथ हमलोगों ने लिया है और 13 जुलाई को सभी दलों के विधायकों एवं विधान पार्षदों के साथ इस पर गहन मंथन कर जल–जीवन–हरियाली अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के महत्व को हम सबको समझना होगा। जीवन के एक तरफ जल है तो एक तरफ हरियाली है। जल और हरियाली है तभी जीवन बचेगा। उन्होंने कहा कि जल–जीवन–हरियाली यात्रा के माध्यम से आप सबों को जागरुक करना चाहते हैं। हम अपने कार्यों की समीक्षा के लिए, जमीनी हकीकत को जानने के लिए यात्रा पर निकलते हैं और एक जगह के अच्छे कामों को दूसरी जगह प्रचारित करते हैं। उन्होंने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत 11 कार्यक्रम शामिल किए गए हैं। सार्वजनिक तालाब, आहर, पईन, पोखर को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा और उसका जीर्णोद्धार कराया जाएगा। सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार कराया जाएगा, चापाकल को भी बरकरार रखा जाएगा और इसके पास सोख्ता का निर्माण भी कराया जाएगा। जल संरक्षण के लिए पहाड़ी नदियों में चेकडैम का निर्माण कराया जाएगा। रेन वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल संग्रहित कर इसे जमीन के अंदर पहुंचाया जाएगा ताकि भूजल स्तर बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि कृषि फीडर बनाकर किसानों को बिजली उपलब्ध करायी जा रही है और इसका दर भी 75 पैसे प्रति यूनिट कर दी गई है। सौर ऊर्जा ही असली ऊर्जा है, यह अक्षय है। हमारी पृथ्वी सूर्य पर निर्भर है। हमलोगों को सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना चाहिए। सभी सरकारी भवनों में सोलर प्लेट लगाये जा रहे हैं और निजी भवनों के लिए भी इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है। जो भी सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा उसे राज्य सरकार खरीदेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के बंटवारे के बाद राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत रह गया था। वर्ष 2012 में हमने हरियाली मिशन की शुरूआत की और लगातार पौधे लगाये

गये। 24 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया। 19 करोड़ पौधे लगाए गए, जिससे राज्य का हरित आवरण क्षेत्र 15 प्रतिशत तक पहुंच गया है। अगले तीन वर्षों में 8 करोड़ पौधे और लगाए जाएंगे। वृक्षारोपण से हरित आवरण क्षेत्र तो बढ़ेगा ही, पेड़ ऑक्सीजन देगा और वर्षा होने की संभावना बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मौसम के बदलाव के अनुकूल फसल चक्र अपनाए जाने की जरुरत है, इसके लिए 8 जिलों में अनुसंधान शुरु हो गया है। मौसम के अनुकूल फसल चक्र अपनाने से फसल नष्ट होने से बचेंगे और किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसल अवशेष (पराली) जलाने की प्रवृति पंजाब और हरियाणा में देखने को मिलती थी। अब इसका प्रचलन अपने राज्य में भी हो गया है, इससे पर्यावरण पर संकट उत्पन्न होता है। इससे प्रदूषण फैलता है और खेतों की उर्वरा शक्ति घटती है। इस पर विचार विमर्श के लिए पटना में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी करवाया गया था। कंबाइंड हार्वेस्टर वाले फसल जलाने के लिए प्रेरित करते हैं उनसे भ्रमित होने की जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फसल कटाई में कुछ यंत्रों जैसे बुआई के लिए रोटरी कल्चर, फसल के छोटे–छोटे टुकड़े करने के लिए स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ बेलर, अवशेषों को इकट्ठा करने के लिए रिपर कम बाइंडर यंत्र का किसान उपयोग करें इसके लिए राज्य सरकार इन यंत्रों पर 75 प्रतिशत का अनुदान दे रही है। एस0सी0, एस0टी0 एवं अत्यंत पिछड़ों को 80 प्रतिशत सब्सिडी पर यह यंत्र उपलब्ध कराया जायेगा। फसल अवशेषों का उपयोग पशुचारे के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत जो काम शुरु किए गए हैं, उसे एक दूसरे को बताने और प्रोत्साहित करने की जरुरत है। जल–जीवन–हरियाली अभियान सिर्फ अभियान नहीं है, इसे क्रियान्वित करने के लिए भी हमलोग काम कर रहे हैं। तीन वर्षों में इस पर 24,500 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में श्री बिल गेट्स पटना आए थे और जल–जीवन–हरियाली अभियान की जानकारी से वे काफी प्रभावित हुए। उन्होंने दिल्ली में बिहार में क्लाइमेट चेंज पर किए जा रहे कार्यों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि 19 जनवरी 2020 को दिन के 11.30 बजे जल–जीवन–हरियाली अभियान के समर्थन में, शराबबंदी एवं नशामुक्ति के पक्ष में, बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ पुनः एक बार मानव श्रृंखला बनायी जाएगी। आप सबों से अपील है कि इस मानव श्रृंखला में शामिल होकर पिछली बनायी गई मानव श्रृंखला के रिकॉर्ड को तोड़ें। इससे वातावरण बनेगा और इसका प्रभाव दूसरी जगहों पर भी पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था को हर हाल में सुदृढ़ रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग किया जा रहा है। इससे युवा पीढ़ी की मानसिकता भी प्रभावित हो रही है। पोर्न साईट्स पर इंटरनेट के माध्यम से गंदी चीजें फैलाई जा रही हैं, इससे युवाओं की मानसिकता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस पर रोक लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पोर्न साइट्स पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांका में उन्नयन बांका योजना शुरु की गयी, इसे पूरे बिहार में लागू किया गया है। गोपालगंज की औसत आमदनी बहुत अच्छी है, इसे और बढ़ाया जायेगा। गोपालगंज और आगे बढ़ते रहे इसके लिए हमलोग काम करते रहेंगे। आज कई योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन हुआ है, जिसमें ब्रजकिशोर पॉलिटेक्निक कॉलेज में 150 छात्रों के लिए छात्रावास और 100 छात्राओं के लिए छात्रावास की व्यवस्था की जाएगी। वर्कशॉप भी बनाया जा रहा है। ग्रामीण कार्य विभाग की तरफ से 84.5 करोड़ रुपए की लागत से 130 सड़कों का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। आज जिस स्थल का भ्रमण किया गया, वहां पोखर का जीर्णोद्धार अच्छे ढंग से किया गया है। गेहूं के जीरो टिलेज कार्य को भी देखकर मुझे बहुत खुशी हुई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पौधा, प्रतीक चिन्ह, फूलों की बड़ी माला एवं अंगवस्त्र भेंटकर उनका स्वागत किया गया। जीविका दीदियों को कृषि यंत्र की खरीद के लिए स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया।

जनसभा को स्वास्थ्य मंत्री सह गोपालगंज के प्रभारी मंत्री श्री मंगल पांडेय, समाज कल्याण मंत्री श्री रामसेवक सिंह, सांसद डॉ0 आलोक कुमार सुमन, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री गुप्तेश्वर पाण्डेय ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री अमरेंद्र पांडेय, विधायक श्री मिथिलेश तिवारी, विधायक श्री सुभाष सिंह, विधान पार्षद श्री वीरेंद्र नारायण यादव, पूर्व मंत्री श्री राम प्रवेश राय, पूर्व विधायक श्री मंजीत कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, कला, संस्कृति विभाग के प्रधान सचिव सह गोपालगंज जिले के प्रभारी सचिव श्री रवि मनु भाई परमार, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, सारण प्रमंडल के आयुक्त श्री आर0एन0 चोंग्थु, योजना एवं विकास विभाग के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, सूचना एवं जन–संपर्क विभाग के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, सारण प्रमंडल के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री विजय कुमार वर्मा, जल–जीवन–हरियाली मिशन के मिशन निदेशक श्री राजीव रौशन, गोपालगंज जिले के जिलाधिकारी मो0 अरशद अजीज, गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार तिवारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारीगण, जीविका की दीदियां एवं बड़ी संख्या में आमलोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत के पहले मुख्यमंत्री ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवापुर परिसर में पोखर के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। साथ ही मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया एवं स्कूल में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निरीक्षण किया। स्कूल के बगल में ही छह किसानों द्वारा शुरु की गई जीरो टिलेज से की जा रही गेहूं की खेती का भी मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया और उनके कार्यों की प्रशंसा की।

******